विषय कोड :
Subject Code : **101**

CLASS-X HALF-YEARLY EXAMINATION, SEPTEMBER - 2025

कक्षा - X अर्द्धवार्षिक परीक्षा, सितम्बर - 2025

HINDI (MIL)

(मातृभाषा)

कुल प्रश्न : 80 + 6 = 86 | कुल मुद्रित पृष्ठ : 24

Total Questions : 80 + 6 = 86 | Total Printed Pages : 24

(समय : 3 घंटे) | (पूर्णांक : 100)

[Time : 3 Hours] | [Full Marks : 100]

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश :

1. प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें।
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. यह प्रश्न पुस्तिका दो खण्डों में है — खण्ड-अ एवं खण्ड-ब।
5. खण्ड-अ में 80 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनमें से किन्हीं 50 प्रश्नों [illegible] देना अनिवार्य है। पचास से अधिक प्रश्नों के उत्तर देने पर प्रथम [illegible] का ही मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक [illegible] सही उत्तर को उपलब्ध कराये गये OMR उत्तर पत्रक में दिए [illegible] विकल्प को नीले / काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी [illegible] व्हाइटनर/ तरल पदार्थ / ब्लेड / नाखून आदि का OMR [illegible] पुस्तिका में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम [illegible] होगा।

CLASS-X bsebcareer.com

खण्ड – ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है। **5 × 2 = 10**

(क) देहाती हाट का माहौल चहल-पहल से खुशनुमा रहता है। इस हाट का समय अक्सर संध्याकाल ही होता है। जैसे-जैसे दिन ढलता है वैसे-वैसे हाट में लोगों का हुजूम भी उमड़ता है। इसमें धनिक व्यापारियों की सहभागिता नहीं होती बल्कि आस-पास के गाँवों के साधारण आदमी ही यहाँ पर दुकान लगाते हैं। बाजारों की तरह यहाँ पर टंट-घंट नहीं होता बल्कि खुले आसमान के नीचे ही धरती पर वस्तुओं को सजाया जाता है। बड़े-बड़े मॉल और बाजारों ने हाटों का वजूद ही मिटा दिया है।

(i) देहाती हाट का माहौल कैसा रहता है ?

(ii) हाट का समय कब होता है ?

(iii) लोगों का हुजूम हाट में कब उमड़ता है ?

(iv) हाट में किसकी सहभागिता नहीं होती है ?

(v) हाटों का वजूद किसने मिटा दिया है ?

bsebcareer.com
CLASS-X

Continued

(ख) भारत में मुगल साम्राज्य के पूरी तरह से स्थापित होने के बाद देश में भोग-विलास की प्रवृत्ति बढ़ने लगी । भोग-विलास की प्रवृत्ति राजमहल से सीधे साहित्य में भी दृष्टिगोचर होने लगी । राजदरबारी कवि आखिर कब तक अपने को इससे बचा कर रख पाते । राजा को प्रसन्न करने के लिए राजदरबारी कवि शृंगार का सहारा लेकर शृंगारिक रचनाएँ करने लगे । अब इन कवियों का ध्यान जन-साधारण की ओर से हटकर सिर्फ सुरा-सुन्दरी और कंचन-कामिनी की ओर ही रहता था । इस प्रकार से साहित्य घोर विलास में डूब कर अपने मूल स्वरूप से ही भटक गया ।

(i) भारत में भोग-विलास की प्रवृत्ति कब बढ़ी ?

(ii) भोग-विलास की प्रवृत्ति किसमें दृष्टिगोचर होने लगी ?

(iii) राजा को प्रसन्न करने के लिए कवि क्या करने लगे ?

(iv) कवियों का ध्यान किस ओर रहता था ?

(v) अपने मूल स्वरूप से कौन भटक गया ?

bsebcareer.com
CLASS X

[Continued

2\. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है । **5 × 2 = 10**

(क) आदर्श व्यक्ति कर्म के सिद्धान्त को मानते हुए सदैव कर्म के लिए तत्पर रहते हैं । जीवन में प्रत्येक क्षण की महत्ता को समझते हुए वे कर्म में लगे रहते हैं । उन्हें दूसरों से कुछ लेना-देना नहीं रहता है बल्कि उनका कर्म कैसे सार्थक हो, बस इसी बात का ख्याल रहता है । हाथ पर हाथ धर कर दूसरों का मुँह ताकना आदर्श व्यक्ति को मृत्यु के समान लगता है । आदर्श व्यक्ति में कर्म के प्रति उत्साह रहता है । वे कभी भी कर्म की राह में आने वाली विपत्तियों एवं चुनौतियों से नहीं घबड़ाते हैं ।

(i) आदर्श व्यक्ति किसके सिद्धान्त को मानते हैं ?

(ii) आदर्श व्यक्ति किसकी महत्ता को समझते हैं ?

(iii) आदर्श व्यक्ति को किस बात का ख्याल रहता है ?

(iv) कर्म के प्रति किसमें उत्साह रहता है ?

(v) आदर्श व्यक्ति किससे नहीं घबड़ाते हैं ?

[Continued

bsebcareer.com CLASS-X

(ख) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र आधुनिक काल के प्रवर्तक हैं । साहित्य में खड़ी बोली का प्रचार-प्रसार इनके प्रयासों से साकार हुआ । इनका जन्म 1850 ई० में वाराणसी में हुआ था । इनके पिता का नाम गोपाल चंद्र 'गिरधरदास' था । गिरधरदास इनके पिता का उपनाम था और इसी नाम से वे साहित्य रचना करते थे । भारतेन्दु का मूल नाम हरिश्चन्द्र था, 'भारतेन्दु' उपाधि थी । आधुनिक रंगमंच का उन्हें पितामह भी माना जाता है । भारतेन्दु ने अपनी रचनाओं के द्वारा रूढ़िवादिता, अंधविश्वास एवं अन्य सामाजिक कुरीतियों के प्रति क्षोभ व्यक्त किया । वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे । भारतेन्दु ने आधुनिक हिन्दी साहित्य की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाई । 'भारत-दुर्दशा', 'अंधेर नगरी', 'प्रेम माधुरी' और 'नीलदेवी' आदि महत्त्वपूर्ण रचनाएँ हैं । साहित्य की सेवा करते हुए माँ सरस्वती के पुत्र की 35 वर्ष की अल्पायु में ही मृत्यु हो गई । हिन्दी साहित्य भारतेन्दु का सदैव ऋणी रहेगा ।

(i) आधुनिक काल के प्रवर्तक कौन हैं ?

(ii) भारतेन्दु का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(iii) आधुनिक रंगमंच का पितामह किसको माना जाता है ?

(iv) भारतेन्दु ने अपनी रचनाओं के द्वारा क्या किया ?

(v) भारतेन्दु की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखें ।

bsebcareer.com CLASS X

5. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग **250 - 300** शब्दों में निबंध लिखें । *1 × 10 = 10*

(क) जंगल

(i) भूमिका

(ii) जंगल से लाभ

(iii) जंगलों की कटाई से हानि

(iv) निष्कर्ष

(ख) राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी

(i) भूमिका

(ii) पक्ष में तथ्य

(iii) आवश्यकता

(iv) उपसंहार

(ग) गणतंत्र दिवस

(i) भूमिका

(ii) इतिहास

(iii) महत्त्व

(iv) उपसंहार

[Continued

bsebcareer.com
CLASS-X

(घ) सत्यवादिता

(i) भूमिका

(ii) महत्त्व

(iii) चरित्र निर्माण में आवश्यकता

(iv) उपसंहार

(ङ) महात्मा गाँधी

(i) परिचय

(ii) सत्य और अहिंसा के पुजारी

(iii) योगदान

(iv) उपसंहार

4. अपने जन्मोत्सव पर आयोजित आयोजन का वर्णन करते हुए, अपने मित्र के पास एक पत्र लिखें । **5**

अथवा

लगातार भारत के बढ़ते कदम को देखते हुए दो मित्रों के आपसी संवाद को लिखें ।

bsebcareer.com

CLASS X

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें : $5 \times 2 = 10$

(i) हिरोशिमा में मनुष्य की साखी किस रूप में क्या है ?

(ii) 'ढहते विश्वास' शीर्षक पाठ में लक्ष्मी के पति का नाम क्या है और वह कहाँ नौकरी करता है ?

(iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार मनुष्य बार-बार नाखून क्यों काटता है ?

(iv) बिरजू महाराज के जीवन में सबसे दुखद समय कब आया ?

(v) कवि गुरु नानक किसके बिना जगत् में जन्म को व्यर्थ मानते हैं ?

(vi) नेताओं के बारे में कवि प्रेमघन की क्या राय है ?

(vii) रंगप्पा कौन था और वह मंगम्मा से क्या चाहता था ?

(viii) 'एक वृक्ष की हत्या' शीर्षक कविता में वृक्षरूपी बूढ़े चौकीदार का पहनावा कैसा था ?

(ix) लेखक मैक्स मूलर के अनुसार सच्चे भारत के दर्शन कहाँ हो सकते हैं और क्यों ?

(x) समास को परिभाषित करें।

[Continued

bsebcareer.com
CLASS-X

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखें (शब्द-सीमा लगभग **100**) : *1 × 5 = 5*

(i) लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी ने किस प्रसंग में कहा है कि 'बँदरियाँ मनुष्य का आदर्श नहीं बन सकतीं'। लेखक का अभिप्राय स्पष्ट करें।

(ii) व्याख्या करें :

"मो मन मानिक लै गयो चितै चोर नँदनंद।

अब बेमन मैं का करूँ परी फेर के फंद॥"

bsebcareer.com

CLASS-X

(i) देहाती हाट का माहौल कैसा रहता है ?

देहाती हाट का माहौल चहल-पहल से खुशनुमा रहता है।

(ii) हाट का समय कब होता है ?

हाट का समय अक्सर संध्याकाल होता है।

(iii) लोगों का हुजूम हाट में कब उमड़ता है ?

जैसे-जैसे दिन ढलता है, लोगों का हुजूम हाट में उमड़ता है।

(iv) हाट में किसकी सहभागिता नहीं होती है ?

हाट में धनिक व्यापारियों की सहभागिता नहीं होती।

(v) हाटों का वजूद किसने मिटा दिया है ?

बड़े-बड़े मॉल और बाजारों ने हाटों का वजूद मिटा दिया है।

bsebcareer.com

2

(i) आदर्श व्यक्ति किसके सिद्धान्त को मानते हैं ?

→ आदर्श व्यक्ति **कर्म के सिद्धान्त** को मानते हैं।

(ii) आदर्श व्यक्ति किसकी महत्ता को समझते हैं ?

→ वे **जीवन के प्रत्येक क्षण** की महत्ता को समझते हैं।

(iii) आदर्श व्यक्ति को किस बात का ख्याल रहता है ?

→ उनका ख्याल रहता है कि **उनका कर्म कैसे सार्थक हो**।

(iv) कर्म के प्रति किसमें उत्साह रहता है ?

→ आदर्श व्यक्ति में **कर्म के प्रति उत्साह** रहता है।

(v) आदर्श व्यक्ति किससे नहीं घबड़ाते हैं ?

→ वे **कर्म की राह में आने वाली विपत्तियों एवं चुनौतियों से** नहीं घबड़ाते हैं।

bsebcareer.com

जंगल 3(i)

भूमिका:

जंगल हमारे पृथ्वी के जीवनधाराओं में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। यह न केवल जीव-जंतुओं का आवास हैं, बल्कि मनुष्य और वातावरण के लिए भी असीम लाभ प्रदान करते हैं। जंगल हमारे ग्रह को हरा-भरा रखने, ऑक्सीजन उत्पादन, और प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

bsebcareer.com

जंगल से लाभ:

जंगल हमें अनेक प्रकार के लाभ प्रदान करते हैं। सबसे पहले, यह वायु को शुद्ध रखते हैं और हमें ताजी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। इसके अलावा, जंगलों में अनेक प्रकार की औषधीय और खाद्य-पदार्थों की उपलब्धता होती है। वन्यजीवों का जीवन जंगलों पर निर्भर करता है, और यह जैव विविधता बनाए रखने में सहायक है। जंगल वर्षा चक्र को संतुलित रखते हैं, मिट्टी का कटाव रोकते हैं और तापमान को नियंत्रित करते हैं। लकड़ी, फल, फूल, जड़ी-बूटियाँ और रेजिन जैसी सामग्री भी हमें जंगलों से मिलती हैं, जो मानव जीवन के लिए आवश्यक हैं।

जंगलों की कटाई से हानि:

जंगलों की अंधाधुंध कटाई अनेक प्रकार की हानियाँ उत्पन्न करती है। इससे जैव विविधता कम होती है और कई प्रजातियाँ विलुप्त होने के कगार पर पहुँच जाती हैं। जंगल कटाई के कारण मिट्टी कटाव, बाढ़ और सूखा जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ती है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की घटनाएँ बढ़ती हैं। इसके अलावा, स्थानीय लोगों को आजीविका और वन्यजीवों की सुरक्षा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

निष्कर्ष:

इस प्रकार, जंगल हमारे जीवन के लिए अनिवार्य हैं और इनके संरक्षण की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमें अंधाधुंध कटाई रोककर, वृक्षारोपण और जंगलों की सुरक्षा सुनिश्चित करके प्राकृतिक संतुलन बनाए रखना चाहिए। जंगलों का संरक्षण करना केवल हमारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारी आवश्यकता भी है ताकि पृथ्वी पर जीवन सुरक्षित और सुन्दर बना रहे।

bsebcareer.com

प्रिय मित्र,

4

सप्रेम नमस्कार।

मुझे आशा है कि तुम स्वस्थ और प्रसन्नचित्त हो। मैं तुम्हें अपने जन्मोत्सव पर आयोजित आयोजन के बारे में बताना चाहता हूँ।

इस वर्ष मैंने अपने जन्मदिन पर एक छोटा सा समारोह आयोजित किया। हमने घर को रंग-बिरंगी लाइटों और गुब्बारों से सजाया। मेरे परिवार और कुछ करीबी मित्रों ने इसमें भाग लिया। सबसे पहले हमने पूजा की और फिर केक काटा। केक बहुत ही स्वादिष्ट था और उसके ऊपर मोमबत्तियाँ जलाकर हम सबने जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं।

bsebcareer.com

इसके बाद हम सबने खेल खेले और गानों का आनंद लिया। मुझे सबसे अधिक खुशी उस समय हुई जब मेरे दोस्तों ने मेरे लिए विशेष गीत गाया। खाने में स्वादिष्ट व्यंजन और मिठाइयाँ रखी गई थीं, जो सबको बहुत पसंद आईं।

मुझे उम्मीद है कि अगले साल तुम्हें भी आमंत्रित कर सकूँगा। इस दिन की याद हमेशा मेरे मन में ताजगी बनाए रखेगी।

तुम्हारा मित्र,

[आपका नाम]

5

(i) हिरोशिमा में मनुष्य की साखी के रूप में क्या है ?

- हिरोशिमा में मनुष्य की साखी के रूप में बचे हुए लोग और उनके अनुभव हैं, जो परमाणु बम के विनाश को दर्शाते हैं।

(ii) 'ढहते विश्वास' शीर्षक पाठ में लक्ष्मी के पति का नाम क्या है और वह कहाँ नौकरी करता है ?

- लक्ष्मी के पति का नाम **राजेश** है और वह **बैंक** में नौकरी करता है।

bsebcareer.com

(iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार मनुष्य बार-बार नाखून क्यों काटता है?

- हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार मनुष्य नाखून इस लिए बार-बार काटता है क्योंकि यह जीवन की अनित्य और शारीरिक क्षय का प्रतीक है।

(iv) बिरजू महाराज के जीवन में सबसे दुखद समय कब आया ?

- बिरजू महाराज के जीवन में सबसे दुखद समय तब आया जब उनके परिवार में कोई व्यक्तिगत क्षति या कठिनाई आई (सटीक घटना उनके जीवन चरित्र में वर्णित है)।

bsebcareer.com

(v) कवि गुरु नानक किसके बिना जगत् में जन्म को व्यर्थ मानते हैं ?

- गुरु नानक के अनुसार **सच्चे ज्ञान और भक्ति** के बिना जगत में जन्म व्यर्थ है।

6

(i) लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी ने किस प्रसंग में कहा है कि 'बँदरियाँ मनुष्य का आदर्श नहीं बन सकतीं' ? लेखक का अभिप्राय स्पष्ट करें !

bsebcareer.com

हजारी प्रसाद द्विवेदी ने यह कथन उस प्रसंग में कहा जब उन्होंने मानव स्वभाव और आदर्शों की तुलना जानवरों से की। लेखक का अभिप्राय यह है कि बँदरियाँ अपनी स्वाभाविक आदतों और चाल-ढाल में केवल स्वार्थी और साधारण होती हैं, जबकि मनुष्य के लिए उच्च विचार, नैतिकता और संवेदनशीलता आवश्यक है। यानी, मनुष्य का आदर्श केवल बुद्धिमत्ता, संस्कार और चरित्र वाले व्यक्ति हो सकते हैं; पशु या उनके स्वाभाविक व्यवहार को अपनाना उचित नहीं है। बँदरियों की चालाकी और नकल करना मानव की उन्नति में मदद नहीं करता।